A–0291

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

DVS-101

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

(वास्तुशास्त्र का परिचय व स्वरूप)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×26=52)

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वास्तुशास्त्र का विस्तृत परिचय प्रदान कीजिए।
2. वास्तुशास्त्र में पञ्चमहाभूतों के स्वरूप पर सुविस्तृत प्रकाश डालिए।
3. वास्तुशास्त्र में दिक् देश एवं काल के स्वरूप पर समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।
4. भूखण्ड चयन के सिद्धान्तों का प्रतिपादन करते हुए भूमि के प्रकार स्पष्ट कीजिए।
5. वीथीविचार क्या है ? इस विषय पर सुविस्तृत चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×12=48)

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वास्तुशास्त्र के प्रवर्तक आचार्यों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
2. वास्तुशास्त्र में प्राकृतिक शक्तियों के समन्वयन पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।
3. वर्तमान में वास्तुशास्त्र के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
4. भूखण्ड के विस्तार एवं कटाव पर संक्षिप्त आलेख लिखिए।
5. प्रशस्त भूमि के लक्षण पर प्रकाश डालिए।
6. सोदाहरण भूशयनविचार प्रस्तुत कीजिए।
7. भूमि के आकार व ढलान पर समीक्षा कीजिए।
8. वास्तुशास्त्र का क्या प्रयोजन है ? स्पष्ट कीजिए।

****